# कुपोषणमुक्त झारखंड बनाने में जुटीं दीदियां

ग्रामीण महिलाएं महिला समूहों से जुड़ कर काफी जागरूक हो गयी हैं. महिलाएं अब अपने गांव, घर और समाज की बेहतरी के बारे में सोचने लगी हैं. महिला समूह ने सभी महिलाओं को एक सूत्र में बांध दिया है. इसलिए एकजुट होकर महिलाएं बदलाव के लिए प्रयास कर रही हैं और बदलाव ला रही हैं. किचन गार्डन और टेक होम राशन के माध्यम से महिलाएं बेहतर कार्य कर रही हैं. किचन गार्डन से घर में हर रोज परिवार के सदस्यों और बच्चों को हरी सब्जियां मिल रही हैं. जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है. टेक होम राशन के जरिये राशन सीधा लाभुकों के पास पहुंच रहा है. इतना ही नहीं महिलाएं प्रदूषणमुक्त सवारी साइकिल चलाने के लिए भी ग्रामीणों को जागरूक कर रही हैं.

## टीएचआर से स्वस्थ बनाने की कोशिश

टीएचआर का राशन तैयार करतीं महिलाएं.

ग्रामीण बच्चों को कुपोषणमुक्त करने और ग्रामीणों को स्वस्थ बनाने के लिए झारखंड सरकार द्वारा टेक होम राशन (टीएचआर) की शुरुआत की गयी है. इसे धरातल पर उतारने का जिम्मा सखी मंडल की दीदियों को दिया गया है. समूह की महिलाएं इस कार्य को बखूबी निभा रही हैं. इसके तहत आंगनबाड़ी केंद्रों तक राशन को पैक करके पहुंचाया जाना है. दीदियां अब राशन को ससमय आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचा रही हैं. समूह की दीदियां खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग खुद कर रही हैं और आंगनबाड़ी केंद्रों तक खुद ही समय से पहुंचा रही हैं. इसका सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि सरकार द्वारा दिया जाने वाला पोषाहार सीधे लाभुकों तक उनके हाथ में पहुंच रहा है. इसके तहत धनबाद जिला के बलियापुर प्रखंड में सभी पंचायतों में नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन के अंतर्गत जेएसएलपीएस द्वारा टीएचआर का वितरण किया गया. टेक होम राशन के तहत राशन को सखी मंडल द्वारा आंगनबाड़ी तक पहुंचाने का मकसद है कि वह सही हाथों तक पहुंच सके, जिससे गांव-गांव के बच्चे, धात्री मां और गर्भवती माएं समेत कुपोषित बच्चे भी स्वस्थ रहें. गांव में कई प्रकार के परिवार होते हैं. इनमें से कोई अमीर होता है तो कोई परिवार बहुत ही गरीब होता है. पैसे की कमी और माता-पिता की अनदेखी के कारण गरीब परिवार में जन्मे बच्चे को पौष्टिक आहार नहीं मिल पाता है. इसलिए टीएचआर का मुख्य उद्देश्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को प्रत्येक परिवारों तक पहुंचाना है. इसके जरिये गरीब परिवार के बच्चे भी पौष्टिक आहार का सेवन कर पायेंगे और फिर कुपोषण की समस्या नहीं रहेगी. इस खाद्य पदार्थ से उनके बच्चे को पौष्टिक आहार मिलेगा और सभी स्वस्थ रहेंगे. गर्भवती माताएं, धात्री माताएं, 6 महीने से 3 साल के बच्चे और कुपोषित बच्चे टीएचआर का लाभ उठा सकते हैं. सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के हर गांव के प्रत्येक घर के परिवार को इसका लाभ मिले. इसलिए सखी मंडल की महिलाओं को इस कार्य के लिए चयनित किया गया है. सभी महिलाएं पूरी निष्ठा के साथ इस कार्य को कर रही हैं. सखी मंडल की दीदियां भी इस कार्य से बहुत खुश हैं. जेएसएलपीएस को धन्यवाद देते हुए वो कहना चाहती हैं कि इसके जरिये उन्हें रोजगार का अच्छा साधन मिल गया है.

माधुरी कुमारी

**प्रखंड : बलियापुर**
**जिला : धनबाद**

## होटल व्यवसाय से बनीं आत्मनिर्भर

ममता देवी

**प्रखंड : मेदिनीनगर**
**जिला : पलामू**

अब अपना होटल चला रहीं कलावती देवी.

पलामू जिले के मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत सुवा गांव की रहने वाली कलावती देवी समूह से जुड़ने के बाद से अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकाल रही हैं. आजीविका से जुड़कर बेहतर कार्य करते हुए अपने जीवन में आगे बढ़ रही हैं. उनकी जिंदगी में यह बदलाव महिला समूह से जुड़ने के बाद आया है. इससे पहले वो एक साधारण महिला थीं. किसी भी काम के लिए पैसों की जरूरत होने पर उन्हें दूसरों से मांगना पड़ता था. घर की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी. पति खेती-बारी करते थे. इसके कारण दो बच्चों की पढ़ाई लिखाई करना और घर का खर्च चलाने में काफी मुश्किलें आ रही थीं. इस बीच कलावती को गांव में बन रहे महिला समूह की जानकारी मिली. समूह से जुड़ने के फायदे जानने के बाद वर्ष 2017 में कलावती पूजा आजीविका सखी मंडल से जुड़ गयीं. 12 सदस्यों वाले इस समूह में उन्हें अध्यक्ष चुना गया. सखी मंडल से जुड़ने के बाद कलावती ने समूह से 35 हजार रुपये का लोन लिया. इस पैसे से उन्होंने अपना मकान बनाया. इसके बाद कलावती ने अपनी आमदनी को बढ़ाने के बारे में विचार करने के बाद कलावती ने समूह से फिर 40 हजार रुपये लोन लेकर एक होटल की शुरुआत की. होटल में पति ने भी पूरा सहयोग किया. दोनों की मेहनत से होटल चल पड़ा और उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है. लोग उनके होटल के नाश्ते को खूब पसंद करते हैं. ग्राहक की संख्या बढ़ने से महीने में कलावती को 14-15 रुपये की आमदनी हो रही है. इस पैसे से वो समय पर अपना लोन चुका रही हैं. उनके दोनों बच्चे अच्छे स्कूलों में पढ़ रहे हैं. अपनी सफलता के लिए कलावती जेएसएलपीएस को धन्यवाद देती हैं.

## महिला समूहों के बीच बांटे गये ऋण

कमला देवी

**प्रखंड : डंडई**
**जिला : गढ़वा**

वितीय साक्षरता शिविर में शामिल सखी मंडल की महिलाएं.

गढ़वा के वन भवन के सभागार में झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक एवं झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा स्वयं सहायता मेगा ऋण वितरण सह वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया. इस दौरान लगभग 1000 स्वयं सहायता समूहों की सखी मंडल की महिलाओं के बीच एक करोड़ का ऋण वितरित किया गया. गढ़वा उपायुक्त हर्ष मंगला ने महिलाओं को संबोधित करते हुए नए रोजगार शुरू कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने महिलाओं को छूटे हुए महिलाओं को भी स्वयं सहायता समूह से जोड़ने को कहा और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी. वित्तीय साक्षरता शिविर में महिलाओं को बैंक खाते से जुड़ी जरूरी जानकारियां दी गयीं. महिलाओं को सलाह दी गयी कि वे अपने एटीएम का पिन तथा ओटीपी किसी के साथ साझा न करें. स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते से संबंधित जानकारियां भी दी गयीं. उन्हें स्वयं सहायता समूह की बचत खाता, केवाईसी तथा सुरक्षा मानकों के बारे में बताया गया. स्वयं सहायता समूह की नियमित बैठक, नियमित बचत, आंतरिक ऋण, नियमित ऋण वापसी के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी. इस शिविर के द्वारा बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों को कम समय में ऋण दिया गया. इसके साथ ही वित्तीय साक्षरता से महिलाओं को अवगत कराया गया, ताकि उन्हें बैंक एवं अन्य वित्तीय संबंधित परेशानियां नहीं हों. गढ़वा जिले की सखी मंडल की महिलाओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और इसका भरपूर लाभ उठाया.

## किचन गार्डेन से महिलाओं को लाभ

शकुंतला देवी का किचन गार्डन देखती दिल्ली की टीम.

पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत लाइलार पंचायत के डमलाई गांव में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम दिल्ली से आयी थी. टीम ने डमलाई आजीविका ग्राम संगठन की दीदियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी. एनआरएलएम की टीम में डॉ ध्रुवसेन गुप्ता, डॉ वसुधा समेत जेएसएलपीएस के पदाधिकारी शामिल थे. पूरी टीम ने गांव-गांव जाकर स्वास्थ्य के प्रति सभी को जागरूक किया. इसके साथ ही सेतु दीदियों द्वारा दिखाये जाने वाले डिजिटल स्वास्थ्य से संबंधी जानकारी दी. उन्होंने अपने काम करने के तरीके के बारे में भी बताया. इस दौरान एनआरएलएम की टीम ने दो गांवों डामलाई और महुलडिया गांव का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान टीम ने सेतु दीदियों द्वारा किये गये कार्यों की काफी तारीफ की. सेतु दीदी ने डामलाई आजीविका ग्राम संगठन की शकुंतला महतो की सफलता के बारे में बताया. शकुंतला पांच साल पहले स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थीं. पहले वो सिर्फ धान की खेती करती थीं. धान की खेती करने के बाद घर में ऐसे ही रहती थीं. घर में कुछ काम नहीं करती थीं. इसके बाद उन्हें आजीविका कृषि मित्र के माध्यम से खेती की जानकारी मिली. साथ ही सेतु दीदी के माध्यम से किचन गार्डन का पता चला. इसके बाद से ही शकुंतला अपने घर के पीछ पड़ी खाली जमीन पर खेती करने लगीं. सेतु दीदी ने उन्हें हर प्रकार की सब्जी के फायदे के बारे में बताया. घर में सब्जी की खेती करने से उन्हें हमेशा हरी सब्जी मिलने लगी. घर से निकलने वाले बेकार पानी से उस जमीन की सिंचाई होने लगी. उसका फायदा यह हुआ कि शकुंतला अब अपने लिए पर्याप्त सब्जी भी उगा लेती हैं और बेचती भी हैं. सब्जी बेचकर उन्हें प्रत्येक महीने तीन हजार रुपये तक की आमदनी हो रही है. जिससे वो अपने रोजमर्रा की चीजें आसानी से खरीद लेती हैं. अब उनके बच्चे अच्छे स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं. किचन गार्डन में उनका पूरा परिवार सहयोग करता है. शकुंतला बताती हैं कि किचन गार्डन से उन्हें बहुत सहयोग मिला है. समूह से लिए गये छोटे-मोटे लोन वह सब्जी बेचकर चुका देती हैं. इससे पूरा परिवार खुशहाल जिंदगी जी रहा है. शकुंतला कहती हैं कि आजीविका ने एक साथ दो लाभ दिया है.

आशा तिग्गा

**प्रखंड : मनोहरपुर**
**जिला : प सिंहभूम**

## झांकी में जेएसएलपीएस की ताकत

धनबाद जिले के गोल्फ ग्राउंड में गणतंत्र दिवस के मौके पर जेएसएलपीएस की ताकत दिखी. धनबाद उपायुक्त के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के साथ जेएसएलपीएस द्वारा भी अपने योगदान को झांकी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. झांकी के माध्यम से सखी मंडल से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं ने झारखंड के विकास में दिये गये योगदान को दिखाया. झांकी की शुरुआत में धनबाद की महिलाओं ने खुद को सशक्त बनाते हुए बेटी हूं बेटी, मैं सितारा बनूंगी गीत पर नृत्य कर अपनी चाहत आकांक्षा और दृढ़ संकल्प को दर्शाया. उसके बाद जेएसएलपीएस के माध्यम से तीन बिंदुओं सामाजिक समावेशन, वितीय समावेशन और आर्थिक समावेशन को दिखाया. सबसे पहले सामाजिक समावेशन को दिखाती 12 महिलाओं द्वारा समूह की बैठक को गोलाकार में बैठ सामाजिक समावेशन दिखाया गया. वितीय समावेशन के लिए बैंक सखी को बैंक और जनता के बीच मध्यस्थता करते हुए दिखाया गया. इसके बाद बैंक आपके द्वार की थीम पर बीसी सखी को दिखाया गया. इस तरह जेएसएलपीएस द्वारा अपने सभी आयामों को झांकी में बखूबी दिखाया गया.

सावित्री देवी

**प्रखंड : निरसा**
**जिला : धनबाद**

## अधूरे सपने कर रहीं साकार

गुमला जिले के भरनो प्रखंड अंतर्गत समशेरा गांव की मार्सस दीदी स्वयं सहायता समूह से साथ जुड़कर अपने अधूरे सपने को साकार कर रही हैं. मार्सस वर्ष 2013 में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थीं. समूह से नहीं जुड़े होने से पहले वह किराना दुकान चलाती थीं. जिससे उनकी आजीविका चल रही थी. इस बीच उन्हें बीमारी ने घेर लिया. उनकी आंत में पथरी हो गयी. इसका इलाज कराने में उनकी जमा पूंजी खत्म हो गयी. दुकान की भी पूंजी खत्म हो गयी. पूंजी नहीं होने के कारण उनकी दुकान बंद हो गयी. इससे वो अधिक परेशान रहने लगी. इसी बीच गांव की अन्य महिलाओं ने सखी मंडल के बारे में बताया. जानकारी मिलने पर मार्सस जेएसएलपीएस द्वारा संचालित खुशबू आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ गयीं. समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने समूह से वर्ष 2016 में 20 हजार रुपये का लोन लिया. इस राशि से उसने फिर से किराना दुकान खोली. पूंजी होने से दुकान में सामान बढ़ा. इससे धीरे-धीरे दुकान चलने लगा. इससे आर्थिक स्थिति में पहले की अपेक्षा सुधार होने लगा. अब मार्सस स्वरोजगार अपनाकर जहां आत्मनिर्भर बनीं, वहीं समूह से जुड़ कर अपने सपने पूरे कर रही हैं.

अनवरी खातून

**प्रखंड : भरनो**
**जिला : गुमला**

## सिलाई मशीन से बदला जीवन

रांची जिला अंतर्गत बुड़मू प्रखंड के बुड़मू गांव की जमीला खातून सिलाई करके अपने जीवन में आगे बढ़ रही हैं. इसके साथ ही वो दूसरों को भी सिलाई करना सीखा रही हैं. अभी उनके पास दो सिलाई मशीन है जिससे उनकी दोनों बहुएं रूखसाना और निलोफर सिलाई करती हैं. वर्ष 2014 में जमीला खातून समूह से जुड़ीं. उस समय उनके पास सिर्फ एक सिलाई मशीन थी. समूह से जुड़ने के बाद समूह से लोन लेकर एक और मशीन खरीदीं. इसके बाद अपनी दोनों बहुओं को सिलाई करना सिखाया. दोनों बहुएं सिलाई करने लगीं, इससे घर में अच्छी आमदनी होने लगी. घर चलाने में आ रही परेशानी दूर हो गयी. इस बीच जनवरी 2020 में जमीला का निधन हो गया, लेकिन उनकी दोनों बहुएं आज भी सिलाई का काम कर रही हैं. दोनों एक दूसरे को सिखाती भी हैं और समझाती भी हैं. इस तरह से वो अपनी जिंदगी बदल रही हैं और दूसरों की जिंदगी भी बदलने में सहयोग कर रही हैं. अपनी लगन और मेहनत के दम पर दोनों की आज अच्छी पहचान है. लोग उनके द्वारा सिले गये कपड़े को खूब पसंद करते हैं. जमीला की मेहनत के दम पर आज रूखसाना और निलोफर आगे बढ़ रही हैं.

कीर्ति देवी

**प्रखंड : बुड़मू**
**जिला : रांची**

## साइकिल रैली से स्वच्छता का संदेश

रांची जिला अंतर्गत सिल्ली प्रखंड में ग्रामीण महिलाओं ने साइकिल रैली निकाल कर लोगों को फिट रहने के लिए जागरूक किया. फिट इंडिया मूवमेंट के तहत यह रैली निकाली गयी. प्रखंड की हर पंचायत और गांव से महिलाओं ने यह साइकिल रैली निकाली. रैली में शामिल महिलाओं की खुशी देखने लायक थी. जेएसएलपीएस के लोटा कलस्टर की सीसी राखी देवी ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं के लिए साइकिल चलाना बहुत बड़ी बात है क्योंकि रैली में शामिल सभी महिलाएं ऐसी हैं जिन्होंने शादी से पहले या स्कूल में पढ़ाई के दौरान साइकिल चलायी है. शादी के बाद साइकिल चलाने पर घर वालों की ओर से प्रतिबंध लगा जाता है. रैली में शामिल होने के लिए महिलाओं ने दो दिन पहले से ही साइकिल चलानी शुरू कर दी थी. महिलाओं ने साइकिल रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया कि साइकिल धुआंमुक्त सवारी है और स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है. महिलाएं पैदल चलने के बजाय साइकिल का उपयोग कर सकती हैं. रैली में शामिल सभी महिलाओं को सम्मानित किया गया. रैली में शामिल होने के बाद महिलाएं काफी खुश थीं. उनके चेहरे पर उत्साह था.

लक्ष्मी देवी

**प्रखंड : सिल्ली**
**जिला : रांची**

epaper.panchayatnama.com